# ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

## काव्य-गोष्ठी का आयोजन

**कार्यक्रम की तिथि**: 18/09/2018

**प्रतिभागियों की संख्या**: 92

**आयोजक**: हिंदी विभाग, एआरएसडी कॉलेज

**सहयोगी संस्था**: रघुवीर सहाय द्वारा स्थापित साहित्यिक समाज 'लिखावट'।

**वक्ता:** मिथिलेश श्रीवास्तव,, संजीव कौशल,गोविन्द प्रसाद, नरेन्द्र पुंडरीक, जगदीश पंकज, राकेश रेणु तथा मनोज कुमार सिंह।

हिन्दी विभाग ने हिंदी के महत्वपूर्ण कवि रघुवीर सहाय द्वारा स्थापित संस्था 'लिखावट' के सहयोग से दिनांक 26/09/18 को एक काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ज्ञानतोष कुमार झा ने की| इस कार्यक्रम में वक्ता के रूप में कथाकार डॉ. विक्रम सिंह तथा लिखावट संस्था के सदस्य राजीव वर्मा ने भाग लिया| कवि के रूप में समकालीन कविता के प्रमुख हस्ताक्षर मिथिलेश श्रीवास्तव,, संजीव कौशल,गोविन्द प्रसाद, नरेन्द्र पुंडरीक, जगदीश पंकज, राकेश रेणु तथा मनोज कुमार सिंह आमंत्रित थे |.

पोस्टर

Digitally signed by Vinita Tuli
Date:Tue Nov 08 02:50:58 IST 2022

Digitally signed by Gyantosh Kumar Jha
Date:Tue Nov 08 02:52:28 IST 2022

# ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

चित्र



## आज पूरा तंत्र पूंजी और बाजार के गठजोड़ पर चल रहा: प्रो.गोविन्द प्रसाद

**लखनऊ।** आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय में लिखावट संस्था के तत्वावधान में काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ज्ञानतोष कुमार झा ने की। उन्होंने अध्यक्षीय भाषण देते हुए आमंत्रित कवियों और विद्वानों का स्वागत किया। आयोजित काव्य गोष्ठी में आमंत्रित कवियों- प्रो. गोविन्द प्रसाद, डॉ मनोज कुमार सिंह, मिथिलेश श्रीवास्तव, संजीव कौशल, जगदीश पंकज, नरेंद्र पुंडरीक, सुधांशु फिरदौस, राकेशरेणु ने अपनी अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं।युवा कवि सुधांशु फिरदौस जब कविता पढ़ रहे थे तो ऐसा लग रहा था कि कोई मीर का वारिस कविता को अपनी कलम से उतार रहा हो।सुधांशु कविता रचते समय किसी जल्दबाजी में नहीं रहते बल्कि अपनी भाषा,संवेदना और शिल्प के साथ पूरी तैयारी से कविता को रचते हैं। जब कवि अपनी कविता के लिए गंभीर विषय-वस्तु को चुनकर अपने कवित्व का परिचय दे रहा हो वहीं संजीव कौशल जैसे कवि रोजमर्रा के चीजों को अपनी कविता का विषय बना कर अपने गंभीर विचारों का विस्तार करते चलते हैं। जब वह परतेंदार कविता पढ़ते हैं तो उसके माध्यम से मनुष्य के सपनों और खालीपन के द्वंद को तो दिखाते ही हैं साथ ही बाजार और इतिहास का संज्ञान भी लेते चलते हैं। डॉ मनोज कुमार सिंह ने अपनी कविताओं में यह चिंता देखी जा सकती है कि आज के भागमभाग के समय में हम सभी से दूर होते जाते हैं।आज की यह विडंबना ही कि जनता के आदमी समय बदलते ही आदमखोर हो जाता है।आज जब लड़कियों पर चौतरफा हमले हो रहे हों,जहाँ समाज थोथी प्रथाओं में छिपी संकीर्णताओं को ढो रहा हो,जब मनुष्य वासना के वाहियातपन के क्रूरतम दौर में हो।उस समय जगदीश पंकज की कविताओं में लड़कियाँ नए विश्वास को लेकर चल रही हैं। प्रो. गोविंद प्रसाद अपनी कविताओं में बाजार और पूँजी की भयावहता को पहचानते हैं और उसके प्रति आगाह करते हैं।आज पूरा तंत्र पूंजी और बाजार के गठजोड़ पर चल रहा है।बाजार की नजर अब केवल हमारे अर्थ पर नहीं बल्कि आज उसकी नजर सपनों पर भी है।आज की विडंबना यही है कि अब हँसी को भी बेचने और खरीदने का चलन खूब चल निकला है।हम बाजार के हुक्मरान यह कहते हैं कि आपके सपनों की बोली भी हम ही लगाते हैं और हम ही छुड़ाते हैं।सबका की तमाम मुस्कराहटें हमारे पास गिरवीं हैं।मिथिलेश श्रीवास्तव जी अपने समय के सामाजिक, सांस्कृतिक और संक्रमण को तो पहचानते ही हैं साथ ही उसमें हो रहे बदलावों को शिद्दत से महसूस कर अपनी कविता में लाते हैं।इनकी कविताओं का मनुष्य परिस्थितियों से घिरा हुआ,उससे टकराता हुआ और अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ता हुआ मनुष्य है। मिथिलेश श्रीवास्तव जी कविताओं ने नई पीढ़ी को कविता का भरोसा थमाया है।अंतिम कवि के रूप में बाँदा से आये नरेंद्र पुण्डरीक जी ने कविता पाठ किया।इनकी कविताओं में लोक-संवेदना इतिहासबोध की राह से गुजरती हुई जीवन की इतिवृत्तात्मकता का गहरा बोध कराती है। सफल संचालन डॉ नीरज कुमार मिश्र द्वारा किया गया। अंत में आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय की हिंदी विभाग की डॉ आशा पांडेय ने आमंत्रित कवियों और उपस्थित छात्र छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया।

**संगोष्ठी**

**लिखावट के कविता महोत्सव की दूसरी कविता संगोष्ठी**



एलवी सहगल, संजय भरतिया, वेद टंडन, एमएस रावत, एसएल जैन, अभिषेक गिरी भी मौजूद थे।

### काव्य गोष्ठी हुई

एआरएसडी कॉलेज में लिखावट संस्था की ओर से में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. ज्ञानतोष कुमार झा ने की। काव्य गोष्ठी में कवियों- प्रो. गोबिन्द प्रसाद, डॉ. मनोज कुमार सिंह, मिथिलेश श्रीवास्तव, संजीव कौशल, जगदीश पंकज, नरेंद्र पुंडरीक, सुधांशु फिरदौस, राकेश रेणु ने अपनी-अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं। देशबंधु कॉलेज के हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. बिक्रम सिंह ने कविता के आलोचनात्मक पक्ष पर बात रखी।

भगत सिंह की जयंती

# ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

प्रतिभागियों की सूची

Hindi- एक काव्य- गोष्ठी का आयोजन 18/09/2018

| क्रम संख्या | नाम |
|---|---|
| 1 | SURBHI KANAN |
| 2 | POOJA MORYA |
| 3 | SADAB HUSSAIN |
| 4 | BHAWNA |
| 5 | ABHISHEK GUPTA |
| 6 | CHANDNI GUPTA |
| 7 | PREETI SHARMA |
| 8 | KAJAL |
| 9 | ASHISH |
| 10 | SADHNA |
| 12 | CHAYANIKA SARKAR |
| 13 | RIDHI KUMARI |
| 14 | LAXMI RAWAT |
| 15 | GHANSHYAM KUMAR BHARTI |
| 16 | AYUSHI SINGH |
| 17 | RENU VERMA |
| 18 | ABHISHEK KUMAR MISHRA |
| 19 | VIKASH SINGH |
| 20 | KUNDAN |
| 21 | ARPIT SHUKLA |
| 23 | LUVKUSH |
| 24 | RUPAM KUMARI |
| 25 | ANJU KUMARI |
| 26 | SIKANDER |
| 27 | SWATI PRABHAKAR |
| 28 | ARUN BHARGAVA |
| 29 | MOHD. AJAM |
| 30 | KOMAL YADAV |
| 31 | BUNTY SINGH |
| 32 | ASHISH JHA |
| 33 | YAMUNA KUMAR |
| 34 | BHUPENDER SINGH |
| 35 | ANKUR ROTHAN |
| 36 | PRACHI |
| 37 | SAURAV KUMAR SINGH |
| 38 | AMIT SHAKYA |
| 39 | SHIV KUMAR |
| 40 | SONU |
| 41 | RAJU |
| 42 | JASVEER SINGH |
| 43 | SUMAN |
| 45 | TANIYA |
| 46 | SWEETY SHARMA |
| 47 | MD NASIM |
| 48 | GAURAV |

# ATMA RAM SANATAN DHARMA COLLEGE

(UNIVERSITY OF DELHI)

| | |
|---|---|
| 49 | KAJAL SINGH |
| 50 | SMRITA |
| 51 | SHWETA |
| 52 | SONIYA |
| 53 | DEEKSHA TUMRISH |
| 54 | HARSHIT SHUKLA |
| 55 | NITISH SINGH |
| 56 | GUNJAN |
| 57 | CHANDAN KUMAR SHAH |
| 58 | RASHMI |
| 59 | JIGYASA JANGID |
| 60 | DEEPAK KUMAR |
| 61 | SHIVANI |
| 62 | PRABHAT MISHRA |
| 63 | RUCHI |
| 64 | PRABAL SHIVHARE |
| 65 | SANJU SOLANKI |
| 66 | ARYAMAAN |
| 67 | JYOTI |
| 68 | SOHEL RAIN |
| 69 | ANNU KUMARI |
| 70 | BHANU PARTAP SINGH KUSHWAH |
| 71 | MEHAK THAKUR |
| 72 | GAURAV SHARMA |
| 73 | KRISHNANUJA |
| 74 | APURV BISARIA |
| 75 | RESHAM JHA |
| 76 | ARYAN RAJ |
| 77 | ANKIT SHUKLA |
| 78 | AKANKSHA NAIR |
| 79 | ANKIT |
| 80 | DHARMENDER |
| 81 | GULISTAN KHATUN |
| 82 | JYOTI PAL |
| 83 | MOHD AJAM |
| 84 | MOHD AJAM |
| 85 | MONU BHARATI |
| 86 | K R SWATHI |
| 87 | NAINA MAURYA |
| 88 | TANVI |
| 89 | ADITI SHRIVASTAVA |
| 90 | MAITRI SINGH |
| 91 | NABEELA NAAZ ANSARI |
| 92 | DISHA KHURANA |